FD-201

M.A. 1st Semester
Examination, Dec.-Jan., 2021-22

HINDI

Paper - I

हिन्दी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं। अशुद्धियों पर अंक काटे जाऐंगे।

1. हिन्दी साहित्य के आदिकाल के नामकरण की समस्या पर विवेचनात्मक लेख लिखिए। 15

अथवा

हिन्दी साहित्य के काल विभाजन पर विभिन्न विद्वानों का मत देते हुए संक्षिप्त निबंध लिखिए।

2. साहित्य के विषय में विस्तार से व्याख्या कीजिए। 15

अथवा

रासो काव्य परम्परा का उल्लेख करते हुए इस परम्परा में पृथ्वीराज रासो का स्थान निर्धारित कीजिए।

3. भक्तिकाल हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग है। इस कथन की तर्क सहित विवेचना कीजिए। 15

अथवा

भक्तिकाल की सांस्कृतिक चेतना पर लेख लिखिए।

4. कृष्ण काव्य धारा की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

ज्ञानमार्ग काव्य धारा की परम्परा, प्रवृत्ति एवं विकास पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

5. निम्नांकित में से किन्हीं **दो पर** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 5×2

(क) प्रेम मार्गी काव्य धारा

(ख) राम भक्ति काव्य धारा

(ग) नाथ साहित्य

(घ) लौकिक साहित्य

(ङ) साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्या

6. निम्नांकित में से किन्हीं **दस** अति लघुत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×10

(क) आदिकाल का दूसरा नाम क्या है ?

(ख) आधुनिक काल को कितने भागों में बांटा गया है ?

(ग) मलिक मोहम्मद जायसी किस शाखा के कवि हैं ?

(घ) हिन्दी साहित्य का पहला इतिहास किसने लिखा ?

(ङ) पृथ्वीराज रासो महाकाव्य के रचयिता का नाम बताइए।

(च) आदिकाल के दो प्रमुख बौद्ध सिद्ध कवियों के नाम बताइए।

(छ) नाथ सम्प्रदाय के दो प्रमुख कवियों के नाम बताइए।

(ज) गार्सा द तासी की इतिहास लेखन परम्परा को किसने आगे बढ़ाया ?

(झ) द्विवेदी युग किसके नाम पर जाना जाता है ?

(ञ) भक्तिकाल का दूसरा नाम लिखिए।

(ट) किसी एक रासोकाव्य का नाम लिखिए।

(ठ) प्रमुख ज्ञानमार्गी कवि कौन हैं ?